(ख) से (घ). किये गये ऊन के विषय में पंजीकृत व्यापार चिह्नों के अनुसार जानकारी तुरन्त उपलब्ध नहीं है । ऊन का निर्यात किस्म नियंत्रण और लदान पूर्व निरीक्षण की एक प्रणाली के अनुसार किया जाता है । इसके अन्तर्गत ऊन की किसी भी खेप को निर्यात करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाती जब तक कि उसका वर्गीकरण कराके उस पर एगमार्क का चिह्न नहीं लगवा दिया जाता और वर्गीकरण अधिकारियों द्वारा इस आशय का प्रमाणपत्र नहीं दे दिया जाता । ऊन का वर्गीकरण करने के महत्वपूर्ण केन्द्र ये हैं : ब्यावर, बीकानेर, जामनगर, केकड़ी, बम्बई, मद्रास और राजकोट, सोवियत रूस, संयुक्त राज्य अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैण्ड और पश्चिमी जर्मनी आदि में वर्गीकृत भारतीय ऊन की बहुत मांग है ।

बोरीबन्दर स्टेशन (मध्य रेलवे) पर महारानी विक्टोरिया की मूर्ति

2774. **श्री मधु लिमये** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने हाल ही में बोरीबन्दर स्टेशन पर महारानी विक्टोरिया की मूर्ति को ढकवा दिया है;

(ख) यदि हां, तो मूर्ति उस स्थान से कब हटाई जायेगी;

(ग) क्या उसके स्थान पर कोई अन्य मूर्ति लगाने का विचार है; और

(घ) सभी रेलवे खण्डों में विदेशियों की सब मूर्तियां कब तक हटा दी जायेंगी ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) अभी तक इस मूर्ति को हटाने का कोई विचार नहीं है ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) इस तरह का कोई सुझाव नहीं है ।

Passes for Crossing Railway Bridges at Balasore

2775. **Shri Jena**: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Passes are required to be shown to the Railway Protection Force at certain places particularly at Balasore town to cross Bridge Nos. 263 and 264 on the South Eastern Railway by the villagers who cross them several times a day for their daily transaction of business;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government have received any request from these villagers for finding a permanent solution of the matter; and

(d) if so, Government's reaction thereto?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) to (d). No. Railway Protection Force are not guarding the Bridges. However, the correct position is that during Chinese aggression, State Police armed guards were mounted on bridge Nos. 263 and 264 and they did not allow the villagers to cross the bridges without authority. Thereupon, the villagers approached the District authorities when passes were issued to *bona fide* villagers. Similarly, in the present emergency, the State Government Railway Police are guarding Bridge No. 263 only. Similar practice, as adopted during Chinese aggression, is being followed now also. Passes are being issued on request to *bona fide* villagers by the District authorities of the State Government.

Double Platforms on S. E. Railway

2776. **Shri Jena**: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to provide certain Railway stations with double platforms on the South **Eastern Railway**;